'अगले पाँच वर्षों में प्रोटीन बार उद्योग 1000 करोड़ रुपये का हो जाएगा'

मुंबई। चलते-चलते ताकत यानी पावर प्राप्त करना भारत में नये युग का नया मंत्र बन गया है, क्योंकि आज की पावर वर्किंग एवं पावर लाइफस्टाइल्स पावर फ्यूल्स (शक्तिशाली ईंधन) की जरूरत पर जोर देती है। इस प्रयास में प्रौद्योगिकी का सहारा भी लिया जा रहा है, जबकि कॉर्पोरेट जगत और अन्य सेक्टर्स ऐसी गतिविधियों में बढ़त देख रहे हैं, जहाँ इस वृद्धि को बढ़ावा देने वाले इंजन को अनूपूरक पावर फूड्स से चलाने की जरूरत है। भारत में नैचुरेल (इंडिया) प्रा. लि. इस जरूरत की पूर्ति कर रही है, जो स्वस्थ-जीवनशैली को समर्पित एक दूरदर्शी कंपनी है, जिसने वर्ष 2006 में ओरिजिनल 'मैक्स प्रोटीन' बार्स लॉन्च किये जाने के बाद से उच्च प्रोटीन वाले चिप्स पेश किये हैं, कंपनी विभिन्‍न श्रेणियों में प्रोटीन-आधारित उत्पादों में नवाचार कर भारत में स्वस्थ रहन-सहन को बढ़ावा देने पर केन्द्रित है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, एक अनुभवी उद्यमी और लंदन बिजनेस स्कूल के एशिया रीजनल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य विजय उत्तरवार कहते हैं, ''भारत का प्रोटीन बार उद्योग अभी 200 करोड़ रुपये का है, और अगले पाँच वर्षों में इसके 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावनाहै।'' उत्तरवार की कंपनी भारतभर में मौजूद है और मुंबई, दिल्ली तथा बैंगलोर जैसे महानगर उनके पावर स्नैक फूड्स को अपना चुके हैं, और उनकी वृद्धि में सहायक हैं, उत्तरवार इस उद्योग की भविष्य सम्बंधी आवश्यकताओं की पूर्ति को लेकर आश्वस्त और तैयार हैं, जबकि इस क्षेत्र में 22 अन्य कंपनियाँ भी अपने पैर पसार रही हैं। उन्होंने कहा कि उच्च प्रोटीन' वाले चिप्स क्विनोआ और ओट्स जैसे सुपर अनाज से बनते हैं। क्विनोआ ज्वार की तरह होता है और धीरे-धीरे ऊर्जा प्रदान करता है। हमारा 'राइटबाइट मैक्स प्रोटीन' बार ने हर महीने एक मिलियन प्रोटीन बार्स की बिक्री के जरिये 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वितरण को लेकर अपने अनुभव और बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता के चलते इस वित्तीय वर्ष में 65 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य तय कियाहै। 'आज के उपभोक्ता शक्ति और स्वस्थ जीवनशैली चाहते हैं, वे स्वादिष्ट, प्रोटीन और फाइबर से भरपूर स्नैक/आहारों से ऊर्जा बढ़ाते हैं, जिनसे भूख मिटती है और संतुलित पोषण सुनिश्चित होता है। ऐसे कई उपभोक्ता हैं, जिन्हें चलते-चलते भोजन चाहिये, तो हम उनके लिये प्रोटीन बार्स लेकर आए, जिनमें प्रिजर्वेटिव्स या शुगर नहीं है और जो क्विनोआ, ओट्स, सोया, उड़द और चने जैसे सुपर अनाजों से बने हैं, जिनमें वसा 35 प्रतिशत कम है, यह बाधारहित कार्य और जीवनशैली के लिये दो से पाँच घंटे तक स्थायी ऊर्जा देते हैं।''